केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

विद्यालय ई–पत्रिका

केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, खाजूवाला

सत्र 2021–22

पताः– केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, खाजूवाला, बीएसएफ कैम्पस खाजूवाला,

तहसील–खाजूवाला, जिला–बीकानेर (राजस्थान) पिन– 334023

समादेष्टा सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, खाजूवाला द्वारा सत्र 2021–22 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी समाज के सम्पूर्ण विकास में विद्यार्थी एक सूक्ष्म बीज की तरह होता है, जिसे ठीक प्रकार से मार्गदर्शन करना विद्यालय का कार्य होता है ताकि वह बङा होकर वट वृक्ष की भांति पथिक को मनोरम छाया प्रदान करते हुए शीतलता प्रदान कर सके। अगर विद्यार्थी वर्ग ठान ले कि वह समाज की कुरीतियों, बुराईयों एवं दुर्व्यसनों से न केवल स्वयं को दूर रखेगा बल्कि समाज से इनका समूल विनाश करेगा तो निश्चित तौर पर हम एक प्रगतिशील, सभ्य एवं प्रसन्नचित समाज का नव निर्माण कर सकते है। इस कार्य हेतु विद्यार्थी वर्ग के मन मष्तिष्क में उद्गारित सृजनात्मक विचारों को सूचीबद्ध करने की नितान्त आवश्यकता है।

वर्तमान वैज्ञानिक युग में सृजनात्मक विचारों की अभिव्यक्ति एवं संचय हेतु अनेक माध्यम होते हुए भी विद्यालय पत्रिका उनमें उत्कृष्ठ स्थान रखती है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मक,रचनात्मक प्रतिभा और चंहुमुखी विकास का वह दर्पण है, जिससे न केवल विद्यार्थी, अध्यापकगण एवं अभिभावकगण स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करते हैं, बल्कि समाज का हर संवेदनशील वर्ग सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की प्रेरणा पाता है।

शिक्षण सत्र 2021–22 में मैने व्यक्तिगत रूप से विद्यालय के गुरूजनों एवं सहायक स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत परिश्रम को अत्यन्त निकट से देखा है और हर्ष है कि सभी फैकल्टी के सदस्य इस दिशा में आज भी सतत प्रयासरत है।

मैं, विद्यालय और विद्यालय से जुडे. सभी भद्रजनों को पत्रिका के प्रकाशन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाऐं देते हुए विद्यालय और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

श्री हेमन्त कुमार यादव
समादेष्टा, 114वीं वाहिनी,
अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति,
केन्द्रीय विद्यालय सी.सु.बल,
खाजूवाला।

प्राचार्य सन्देश

केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, खाजूवाला, सत्र 2021–22 में विद्यालय में आयोजित होने वाली गतिविधियों का प्रकाशन विद्यालय ई–पत्रिका में करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका में विद्यालय में सालभर के दौरान आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों का प्रतिबिम्ब है। बच्चों की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, भावाभिव्यक्ति एवं भाषा–प्रयोग का इससे सशक्त कोई अन्य माध्यम नहीं हो सकता। मैं विश्वस्त हूँ कि पत्रिका अपने इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगी।

मैं इस अतुलनीय प्रयास के लिए विद्यालय के सम्पादक मण्डल एवं बाल रचनाकारों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई अर्पित करता हूँ।

श्री एम.आर.गुजर,
प्राचार्य,
केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल,
खाजूवाला।

From the Chief Editor's

**"The best of a book is not the thought which it contains,
But the thought which it suggests,
Just as the charm of music dwells not in the tones,
But in the echoes of our hearts."**

In continuance with the tradition of taking new initiatives, we are launching our E-school magazine. The magazine is a step in the right direction towards building a concrete platform for studetns to showcase their creativity and endowment.

This magazine will play a vital role in the life of young students learning to blend knowledge, wisdom, values and integrity at the very outset of the schooling years.

I extend my sincere thanks to the entire team of the Editorial Board for their effort in bringing out the magazine.

Last but not the least I acknowledge my special gratitude to our worthy Principal Mr. M.R.Gujer for his constant inspiration and guidance to prepare the issue of the magazine.

--Romil Sharma, PGT-English.

CLASS-XII RESULT OF SESSION 2021-22

NO. OF STUDENTS APPEARED	NO. OF STUDENTS IN COMPARTMENT	NO. OF STUDENTS FAILED	PASS %	A1	A2	B1	B2	C1	C2	D1	D2	E	GRADE COUNT	NxW	PI
11	**0**	**0**	**100**	**22**	**14**	**14**	**2**	**1**	**2**	**0**	**0**	**0**	**55**	**378**	**85.9**

SUBJECT WISE RESULT

S.NO.	SUBJECT	APPEARED	PASSED	%	A1	A2	B1	B2	C1	C2	D1	D2	E	NxW	PI
1	ENGLISH CORE (301)	**11**	**11**	**100**	**0**	**0**	**7**	**1**	**1**	**2**	**0**	**0**	**0**	**57**	**64.77**
2	HINDI CORE (302)	**9**	**9**	**100**	**6**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**68**	**94.44**
3	PHYSICS (042)	**11**	**11**	**100**	**1**	**4**	**5**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**71**	**80.68**
4	CHEMISTRY (043)	**11**	**11**	**100**	**9**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**86**	**97.72**
5	BIOLOGY (044)	**6**	**6**	**100**	**1**	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**43**	**89.58**
6	MATHS (041)	**5**	**5**	**100**	**3**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**37**	**92.50**
7	COMPUTER SC. (083)	**2**	**2**	**100**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**16**	**100**

CLASS-X RESULT OF SESSION 2021-22

No. of students Appeared	No. of students passed	No. of students in Compartment	No. of students Failed	Abst	Pass %	A1	A2	B1	B2	C1	C2	D1	D2	E
29	29	0	0	0	100	35	33	18	26	14	15	4	0	0

GRADE COUNT	NxW	PI
145	858	73.97

SUBJECT WISE RESULT

S.NO.	SUBJECT	Appeared	passed	%	A1	A2
184	ENGLISH LAG. & LIT.	29	29	100	0	5
2	HINDI COURSE A	29	29	100	5	9
41	MATHS (STANDARD)	8	8	100	3	1
241	MATHS (BASIC)	21	21	100	10	7
86	SCIENCE	29	29	100	7	6
87	SST	29	29	100	10	5

B1	B2	C1	C2	D1	D2	E	NxW	PI
3	8	5	4	4	0	0	133	57.33
5	4	3	3	0	0	0	174	75
1	2	1	0	0	0	0	51	79.69
3	1	0	0	0	0	0	152	90.48
3	8	2	3	0	0	0	173	74.57
3	3	3	5	0	0	0	175	75.43

KENDRIYA VIDYALAYA BSF KHAJUWALA

OVERALL RESULT ANALYSIS FOR SESSION 2021-22

CLASS	STUDENT REGISTERED	STUDENT PROMOTED	DETAINED	PASS
I	35	35	0	100
II	38	38	0	100
III	32	32	0	100
IV	42	42	0	100
V	36	36	0	100
VI	37	37	0	100
VII	36	36	0	100
VIII	30	30	0	100
IX	33	33	0	100
XI	16	16	0	100

MERITORIUS STUDENTS OF CLASS XII

ANUSHKA TAK
CLASS-XII
(94%)

AISHWARYA
CLASS-XII
(92%)

NANDINI PAREEK
CLASS-XII
(90%)

MERITORIUS STUDENTS OF CLASS X

SHYAM JHANWAR
CLASS-X
(95.2%)

PULKIT AGGARWAL
CLASS-X
(95%)

BHAVYA
CLASS-X
(90%)

''गुरू''

कोरे कागज को अखबार बनाता है, गुरू को जिन्दगी का हर हिसाब आता है।
रंग–बिरंगे फूलों से वो, संसार को एक सुन्दर बाग बनाता है,
वही तो है जो तारों को भी रोशनी देकर, खुद सूरज बनकर जगमगाता है।।
नटखट शैतान बच्चों की, लाख शैतानियाँ सहता है,
फिर भी गुरू धैर्यवान रहता है,
ज्ञान की एक–एक बूँद से, सिंचता है वो अपनी फसल,
तभी तो शिष्य कभी अर्जुन, कभी राम बनकर परचम लहराता है।।

श्रीमती लता चौधरी, प्र.स्ना.शिक्षिका–शा.एवं स्वास्थ्य

''शिक्षा''

बहुत जरूरी होती शिक्षा, सारे अवगुण धोती शिक्षा,
चाहे जितना पढ. लें हम, पर कभी न पूरी होती शिक्षा,
शिक्षा पाकर ही बनते है, नेता, अफसर और शिक्षक,
वैज्ञानिक, मंत्री, व्यापारी या साधारण रक्षक,
कर्त्तव्यों का बोध कराती शिक्षा, अधिकारों का ज्ञान है शिक्षा,
शिक्षा से ही मिल सकता है, सर्वोपरि सम्मान,
बुद्धिहीन को बुद्धि देती, अज्ञानी को ज्ञान,
शिक्षा से ही बन सकता है, मेरा भारत देश महान।।

आनन्द कुमार, संगणक अनुदेशक (संविदा)

पिनेयाल ग्लैंड

बॉडी में पिनेयाल ग्लैंड एक हॉरमोन रिलीस करता है जिसे डोपामिन कहते है, जब आप खुश होते हो या कुछ अमेजिंग, इंट्रेस्टिंग आपको नजर आता है । पिनेयाल दोपमीने हॉरमोन रिलीस करती है जब आप दुखी होते हो या anxiety फील करते हो | आप इस्टाग्राम , फेसबूक देखते हो जो आपकी बॉडी को triggerd करता है आप खुश होने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का यूज करते हो जिससे कि आपको धीरे-धीरे डोपामीन की आदत हो जाती है और इस एक्स्ट्रा डोपामीन की मात्रा को पूरा करने के लिए आप सोशल मीडिया पर व्यस्त हो जाते है और ये एक्स्ट्रा डोपामीन अल्कोहल का काम करता है जिसके आप आदी (addict) हो जाते हो इसी वजह से आप फोकस या कॉन्संट्रेट नहीं कर पाते क्योंकि आपकी बॉडी एक्स्ट्रा डोपामीन की डिमांड करती है जिसको पूरा करने के लिए इस्टाग्राम, फेसबूक पर like,comments देखते है जो डोपामिन को इंक्रीज़ करता है इसे आप पूरा समय सोशल मीडिया बीता देते हो |इस समस्या जिसे हम dopamine toxicity कहते है| निपटना इतना आसान नहीं है जो की आज के समय की गंभीर समस्या है, इसके लिए सबसे पहले आपको सोशल मीडिया से दूर जाना पड़ेगा, काफी लंबे समय के लिए और दूसरा आप अपना पूरा समय study या कोई creativity work मे लगाइए | negativity से दूर रहे खुद को पॉज़िटिव बनाएँ| डोपमिन डिटोक्स यानि कि डोपामाइन फास्ट का ञ ट्रेंड शुरू हुआ है, इस नए फास्ट में आपको अपनी सेहत के नाम पर अपने पसंदीदा खाने पीने की चीजों की कुर्बानी नहीं देनी होगी, बल्कि इसमें आपको अपने सभी पसंदीदा कामों से जिसे डोपमीन ज्यादा रिलीस होता है, उनसे दूर होना होगा|

__राजेश खान, पीजीटी - बायो

ENGLISH
PART

Rain water harvesting

Rain water harvesting is the crying need of the day. It is said that if the third world war is to be fought, it will be fought for water. The huge quantity of the rain water goes down the drain every year. Every home, every village, every city should have rain water harvesting system. It saves us from floods. It saves bays, seas and oceans from overflowing. It maintains the ground water level. In desert area, it makes available the precious water round the year. It can be used for irrigation too. Thus, the harvesting of the rain water is the immediate need of the hour.

- Jyoti Class-VI

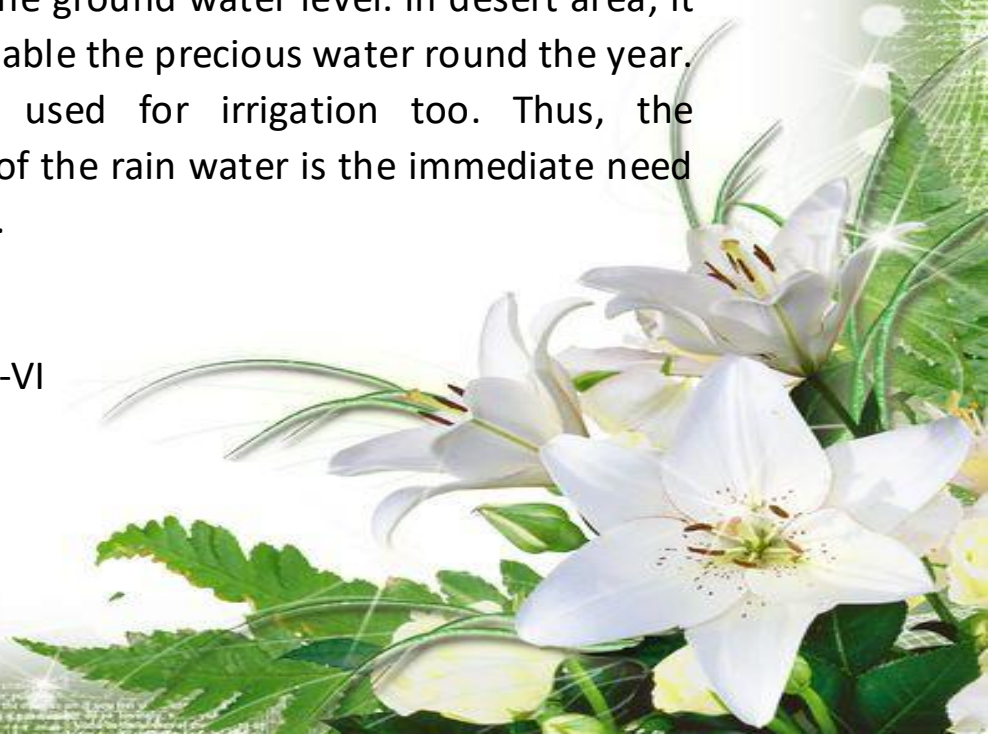

YOU'RE BEST

If you always try your best, then you will never have to wonder
About what you could have done, if you did summon all your thunder.
And if you're best, was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today all that I had in me"

Name – Gunjan Class-XIth

INDIA FREEDOM STRUGGLE

India freedom struggle is one of the most significant progresses in the history of India. It is essential for the new generation to know certain lessons from the freedom struggle of India to get an in sight into the movement and events that led to independence.

The British people entered India in the year with the objective to trade certain items like silk, tea and cotton and slowly started ruling the country. They gradually started to create chaos in India and made Indian people their slaves. Therefore India went through some of the hardest times to gain independence from the British rule and the first movement against the British was initiated in the year 1857 by Mangal Pandey who was an Indian Soldier.

-----Yashmin Class- VIII

The School Magazine

Here comes the school magazine
Filled with fun and energy
Covering our rush in studies
Making our mind very busy.
Contains the glory of the school,
making it look cool
Looks like two roads diverged in woods.
Making the name of student council arose
as they are given a very high post
photos of some students feels like fools
as they are wearing a weird costume.
Looking in its writing part led to confusion
as some poems in it doesn't have any conclusion.
The work teachers are highly appreciated
as all of them look busy and suffocated.
The magazine is the encyclopedia of the school,
The people who don't read it are fools.

_ Pooja Class-XI

"स्वच्छता का दीपक जलाएं ,
पूरे भारत में उजियाला फैलाएं।।"

IMPORTANCE OF SPORTS

Sports is very important in our day to day life. It helps improve our health. It keeps us fit and active and makes a man moral human being because it teaches many good qualities like leadership, discipline, teamwork and planning.

It is considered as an excellent stress- booster.

It also teaches the value of time and helps an individual to boost his efficiency of work.

All national and international games played through the world are source of entertainment and excitement.

when one wants to win he goes ahead in life.

Name – Paridhi Sarswat, Class- vi

SCHOOL LIFE

Come to school just in time, Go to prayer in a line
Don't throw paper on the ground, Give the teacher what is found
Come to school neat and clean; Wish all the teachers whom you meet
Do your home work everyday, in class you must not play
When you go out of the class, don't forget to take your out pass,
Follow Follow every rule, if you want to study in kendriya vidyalaya School.

Name- Ridhima Mittal, Class- 11th

PROUD TO BE WOMAN

Unfortunately, it has become one of the cruel reality for our generations,

You are enough mature to give respect to any woman.

Because women are not abandoned by anyone, they are not even burden for any one.

Rather than, they are heart of family they are pride for country.

And one of most they are beautiful gift given by god.

And without her we are itself incomplete.

Name – Arti, Class-8

THE SCHOOL MAGAZINE

The school magazine is an organ of a school. It is something different from a popular news magazine or a learned journal. It is generally published once a year. A student edits the school magazine under the guidance of a teacher. It is made up of poems, eassys, short-stories etc. which are mostly written by the students of the school. The school magazine is an inseparable part of the school. It encourages budding writers to practise writing. It is really a thrill to see one's name and one's writing in print. So, wherever a magazine is published, this it helps to discover talent. It helps to train up future poets and writers. It helps students to cultivate their skill of thinking and imagination.

Name- Naina, Class- 7th

POEM – EDUCATION

Education
The light of our life-
A gift of academic rife—
Education
The key to a bright and rewarding future
A glue that joins our dreams like a suture
Education
A path to divine success
A smooth drive to our greatness.
Education! Education!! Education!!!
Name – Vansh Gera, Class- XI

ADDING COLORS

Adding white to black we get grey, Everyday to god we should pray,
Adding yellow to blue we get green,
our house should always be tidy and clean.
Adding white to red we get pink, Morning and evening milk we must drink,
Adding yellow to red we get orange,
after buying something we should count the change,

Name- Ridhima Mittal, Class- 11th

A TEACHER

A teacher is a noble friend
he gives us knowledge of modern trends,
The changes that are taking places,
A teacher is said to be a philosopher.
Who preaches the trust to nature?
So that we bloom and flourish
Where he takes the chances to nourish.
A teacher is a true guide,
Who makes that life of jolly ride?
Through ups and down of life today,
Makes us toil with gay,
Thus from the inner core of my heart.
I pray to almighty to shower a plenty of,
glory, comfort, calm and health,
To my teachers who are the nation's wealth.

Name- Ridhima Mittal, Class- 11th

KV MY PRIDE

Kvs is my pride, Teachers are my guide, So I have become bright,
Like a shining light.
To be in the class is a delight, the place where I spend my day,
The place where I read and play, the place that shows me the right way,
It is my school, KENDRIYA VIDYALAYA SCHOOL.

Ridhima Mittal, Class- 11th

HAPPY SCHOOL

Oh! School

The place where we find people

It gives birth to friends

Who are always in trend.

From canteen to library,

There is a mixture of love and rivalry,

One hand we catch our book. In other hand a pen and sometimes.

The Teacher's lecture goes over our heads, Like a mistake of lead.

That universal shout made when the news of free period. Came

these are the moments that need to be friends.

It is hard to live "School Life" yet even harder to let go of this wonderful life.

Name- Khushboo Choudhary, Class- XI

QUOTES

1. Education is the key to unlock the golden door of freedom.
2. The great aim of education is not knowledge but action.
3. Music is the movement of sound to reach the soul for the education of its virtue.
4. The root of education is bitter, but its fruit is sweet.
5. Develop a passion for learning. If you do, you will never cease to grow.

Name- Vansh Gera, Class- XI

FRIEND WHO, STAND – BY

When trouble comes your soul to try
you love the friend who "stand-By"
perhaps there is nothing he can do, the thing is strictly upto you.
There are troubles all your own and paths the soul must tread alone times when love cannot smooth the road.
Not Friendship can lift the heavy load.
But just to know you have a friend who will stand by until the end whose sympathy through all endures whose warm handclasp is always yours.
It helps some way to pull you through, although there's nothing he can do and so with fervent heart you cry god bless the friend who "Stand-By".

Name-Khushboo Choudhary, Class- XI

"करो कुछ ऐसा काम,
की स्वच्छ भारत के चलते हो विश्व में भारत की शान."
"लोटा बोतल बंद करना है,
अब हर जगह शौचालय प्रबंध करना है."
"खूबसुरत होगा देश हर छोर,
क्यूकी हम करेगे सफाई चारो ओर." ***खुशवन्त सिंह, कक्षा–प्रथम***

FRIENDSHIP

You and I are good friends,
On that we both agree.
It means that I am here for you,
And you are there for me.

We know each other's secrets.
We show our dreams and hopes,
We help each other stay upright
Along life's slippery slopes.

We might not speak for days or weeks,
Perhaps a month will pass.
But each knows that the other will be there to the last.
So, Know-my friend,
This message makes it clear good friends are forever.

Name- Taniya, Class- XI

Jokes

1. Teacher: Why are you late Joseph?
   Joseph: Because of a sign down the road.
   Teacher: what does a sign have to do with your being late?
   Joseph: The sign said 'School ahead go slow'.
2. Teacher: Sani, if you have 5 dollars and you asked your mother for another 5 how many dollars would you have.
   Sani: 5 Dollars Sir!
   Teacher: You don't know your arithmetic.
   Sani: But sir you don't know my mother!.
3. Teacher said to santa: Explain "dahi" in English.
   Santa: Milk sleeping in the night and sawere tight!!
4. Maths Teacher: What is line?
   A Genius student answered: a line is a dot, going for a walk.
5. Little Johnny: Teacher, can I go to the bathroom?
   Teacher: Little Johnny, May I go to the bathroom?
   Little johnny: But, I asked first!!
6. Teacher: Can a Kangaroo jump higher than the Eiffel Tower?
   Student: Yes, Sir.
   Teacher: Why?
   Student: Because the Eiffel Tower can't Jump!
7. Perfect Son
   Mr.A – I have got a prefect son.
   Mr.B- does he smoke?
   Mr.A- No, he doesn't?
   Mr.B- Does he drink, whiskey?
   Mr.A- No, he doesn't.
   Mr.B- Does he ever come home late?
   Mr.A-No, he doesn't.
   Mr.B-I guess you really have a perfect son. How old he is?
   Mr.A- He is Six months old.
8. Foreign language
   A family of mice see a big cat suddenly,
   Father mouse jumps and says- 'Bow-wow!!
   The cat runs away.
   "What is that, Father?" asks baby mouse.
   "well, son. It is important you must always
   Learn a foreign language.
9. Santa: Oye! What R U doing?
   Banta: Recording this baby voice.
   Santa: Why?
   Banta: When he grows up. I shall ask him what he meant by this.

Name:- Nandini, Class-11th

हिन्दी भाग

किताब

किताब, किताब, किताब

ये किताब सीखा जाती है बहुत कुछ

ये किताब बना जाती है बहुत कुछ

डॉक्टर, इंजिनियर या बनना हो पाइलेट बना देगी किताब

किताब पढ.ो, किताब पढ. कर तो देखो,

ज्ञान मिलेगा, मान मिलेगा,

कलाम सा सम्मान मिलेगा,

किताब अज्ञान मिटाती , सम्मान दिलाती,

किताब, किताब, किताब

ये किताब सीखा जाती है बहुत कुछ,

ये किताब बना जाती है बहुत कुछ,

जे अज्ञान मिटा दे, जो ज्ञान का दीपक जला दे,

वो है किताब, वो है किताब।।

नाम– हेमशिखा, कक्षा– आठवीं

हिन्दी चुटकूलें

टीचर (चिंटू से) : गृहकार्य क्यों नही किया?

चिंटू – मैम, मैं जब पढ.ने बैठा तो लाईट चली गई।

टीचर – तो लाईट आने के बाद क्यों नही की पढ.ाई।

चिंटू – बाद में मैं इस डर से पढ.ने नही बैठा कि कही मेरी वजह से फिर से लाईट न चली जाए।

नाम– नितिश, कक्षा–11वीं

मोबाइल फोन

मोबाइल फोन आया,
सबके सवालों को दूर भगाया,
दुनिया में इसने बड.ा नाम कमाया,
सुबह से लेकर रात तक इसने अपना जादू दिखाया,
मोबाइल फोन आया।

डायल कर नम्बर मिलाया,
दूसरों तक हमारा सन्देश पहुँचाया,
अंधेरा हो तो रोशनी करने में काम आया,
मोबाईल फोन आया।

कौन कहाँ किस कोने में, कौन कहाँ से जाता,
यह हमें गुगल मैप बताता, हमें पूरा संसार घुमाता।
किसी के जन्म से लेकर,
मरने तक का इतिहास बताया,
बच्चें से लेकर बुढे. तक का, इसने साथ निभाया,

मोबाइल फोन आया। मोबाइल फोन आया। मोबाइल फोन आया।

नाम– कशिश, कक्षा– आठवीं

कविता – बचपन की दोस्ती

बचपन के दोस्तों को, कभी भुलाया नहीं जाता,

उनकी मीठी सी यादों को, बिसराया नही जाता,

जिंदगी में कुछ ही लम्हें, हम बिताते है दोस्तों के साथ,

लेकिन वही पल दिल में संजोए, हर पल जीवन में आगे बढ.ते है,

मुसीबत की घडी में जो, दोस्त निःस्वार्थ देते साथ,

वही दोस्त खुशी में भी बनाए, हमारे हर पल कुछ खास,

भले ही जीवन के पथ, पर राहें बदल जाएं,

लेकिन दोस्तों की दोस्ती, सदा दिलों में जिंदा रहती है,

इसी दोस्ती को करो हर रिश्ते में आबाद, बचपन की दोस्ती सदैव जिंदाबाद।।

नाम – अर्चना प्रजापत, कक्षा– आठवीं

पहेलियॉ

1. ऐसा शब्द बताइए कि जिससे फूल, मिठाई और फल बन जाए।
2. वह कौन–सा फूल है, जिसके पास कोई रंग और महक नहीं है।
3. ऐसी कौन–सी चीज है, जिसको जितना खींचा जाता है, वो उतनी ही छोटी हो जाती है।
4. ऐसा स्वयं जिसकी खिड.की ना दरवाजा तो बताओ क्या?
5. खुद कभी वह कुछ न खाए, लेकिन सब को खूब खिलाए।

उत्तर – 1 गुलाब जामुन 2 अप्रैल फूल 3 सिगरेट

4 मशरूम 5 चम्मच

नाम– अर्चना प्रजापत, कक्षा– आठवीं

हिन्दी शायरी

अशिक्षित को शिक्षा दो, अज्ञानी को ज्ञान,

शिक्षा से ही बन सकता है, मेरा भारत महान।।

नाम– नितिश, कक्षा–11वीं

मेरा प्रिय स्कूल

देखो ये मेरा केन्द्रीय विद्यालय,

है ये सरस्वती का धाम,

इसका जग जाहिर है नाम,

ये है मेरा प्रिय स्कूल

अध्यापक इसके है विद्वान,

देते जो भर विद्या दान,

मैं सकता हूँ इसे न भूल,

ये है मेरा प्रिय स्कूल।।

नाम वंश गेरा, कक्षा–11वीं

सुविचार

1. अंधेरे से मत डरो, सितारे अंधेरे में ही चमकते है।
2. जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार रहेगी।
3. नम्रता और मीठे वच नहीं मनुष्य के वास्तविक आभूषण होते है।
4. अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नही है, जितना की सीखने की इच्छा न करना।

नाम वंश गेरा, कक्षा–11वीं

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए, सही तरह चलना सिखाए।
माता–पिता से पहले आता, जीवन में सदा आदर पाता।।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे, सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे,
कभी राह न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथदर्शक है जो,
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता।।
कभी है शान्त, कभी है धीर, स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा, काश! मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।।

नाम– महक, कक्षा– आठवीं

हिन्दी कविता– सिनेमा

बोलती दुनिया का हिस्सा सिनेमा,
चलते–चलते बना देता एक यादगर किस्सा सिनेमा।
मनोरंजन का श्रोत सिनेमा, समझने व हंसने का माहौल सिनेमा,
पता ना चलने दिया कब बना इस दुनिया का अंश सिनेमा,
ना पता चलने दिया कब बन गया, इस दुनिया को बहलाने वाला वंश सिनेमा,
ना समझ कोई पाया, ना समझ सकेगा कोई,
इस दुनिया की दास्तान को, क्योंकि बोलती दुनिया का हिस्सा सिनेमा।।

नाम– लक्ष्य शर्मा, कक्षा– आठवीं

उफ! ये पढ.ाई

उफ! ये पढाई, किसने बनाई?
कहाँ से ये जन्मी, कहाँ से आई?
पापा कहते है पढ.ो कैमिस्ट्री, याद करो इक्वेशन!
मम्मी कहती है पढ.ो हिस्ट्री, रटो सिविलाईजेशन,
भैया कहते है पढ.ो मैथस, सीखो कैल्क्यूलेशन,
आ रहे है इग्जामिनेशन, बढ.ने लगा है हमारा टेंशन,
कब खत्म हो इम्तिहान का तूफान और करूँ मैं सेलिब्रेशन,
हे प्रभु! तू हमकों शक्ति देना,
डर को मन से तुम हर लेना,
पास हमें जरूर कर देना।।

नाम– रिद्धिमा मित्तल, कक्षा– 11वीं

गुदगुदी

❖ मालिक गुस्से मे नौकर से बोला– मैं एक घण्टे से घण्टी बजा रहा हूँ, तुझे सुनाई नही देता।

नौकर–आप मालिक है हुजूर, आप कई घण्टें घण्टी बजा सकते है।

❖ एक औरत ने दूसरी औरत से कहा– मेरे पति किताबें लिखते है। उनके लिखे हुए शब्द का मूल्य पाँच रूपये होता है।

दूसरी औरत ने कहा– मेरे पति भी लिखते है उनके लिखे हुए शब्दों का मूल्य लाखों–करोड.ों में होता है।

पहली औरत ने कहा– ऐसा क्या लिखते है तुम्हारे पति।

दूसरी औरत ने कहा– चैक।

नाम–लक्षी, कक्षा– सातवीं

पहेलियाँ

1. लगातार यह चलता जाता, फिर भी आगे बढ. न पाता,
   घर, दफ्तर में इसका काम, गर्मी में पहुँचाए आराम।।
2. देखा एक ऐसा जलधर, आसमान में जिसका घर,
   न रंगरूप है जटाजूट, जल बरसे अगर जाएँ फूट।।
3. प्रकाश करती, खड.ी आसूँ बहाती,
   मोती–सी आँसू जमती जाती।।
4. ऐसा एक गजब खजाना, जिसका मालिक बड.ा सयाना,
   दोनों हाथों उसे लुटाए, फिर भी दौलत बढ.ती जाए।।
5. शुरू कटे तो हूँ मैं पशु, बीच कटे तो काज,
   आखिर कटे तो पक्षी होती, बताओ मेरा नाम।।

उत्तर– 1. पंखा 2. नारियल 3. मोमबत्ती 4. विद्या 5. कागज।

नाम– रिद्धिमा मित्तल, कक्षा– 11वीं

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

ये बात हवाओं को बताये रखना, रोशनी होगी, चिरागों को जलाये रखना।

लहू देकर जिसकी हिफाजत हमने की, ऐसे तिरंगे को सदा दिल में बसाये रखना।।

भारत का इतिहास और संस्कृति है।

'सोने की चिडि.या' नववर्ष ' आर्यवर्त आदि श्रेष्ठ नामों से प्रसिद्ध है। हमारा भारतवर्ष, इसी भारतवर्ष ने 'श्रीराम', 'गौतम बुद्ध', 'आर्यभट्ट', विवेकानन्द आदि महान हस्तियों को दुनिया से परिचित कराया।

'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण प्रगीत में से एक है।

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी धर्म ने साथ मिलकर पूरे भारत को आजादी दिलवाई साथ मिलकर स्वराज्य स्थापित कराया। इस संग्राम में भारत माता के अनेक अमर सपूतों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिये।

आसान न था ये सब कर पाना इतने बडे. स्वपन को साकार कर पाना श्रेय तो जाता उन यौद्धाओं को जिन्होनें रातों को भी दिन था माना.....

नाम– द्रोपदी, कक्षा– आठवीं

पिता

पिता एक उम्मीद है, एक आस है,
परिवार की हिम्मत और विश्वास है,
बाहर से सख्त अन्दर से नर्म है,
उसके दिल में दफन कई मर्म है,
पिता संघर्ष की आँधियों में हौंसलो की दीवार है,
परेशानियों से लड.ने को दो धारी तलवार है,
बचपन में खुश करने वाला खिलौना है,
पिता जिम्मेवारियों से लदी गाड.ी का सारथी है,
सबको बराबर का हक दिलाता यही एक महारथी है,
नींद लगे तो पेट पर सुलाने वाला बिछौना है,
सपनों को पूरा करने मे लगने वाली जान है,
इसी से तो माँ और बच्चों की पहचान है,
पिता जमीर है, पिता जागीर है,
जिसके पास ये है वह सबसे अमीर है,
कहने को सब ऊपर वाला देता है,
पर खुदा का ही एक रूप पिता का शरीर है।।

नाम– प्रियंका प्रजापत, कक्षा–नवमीं

चुटकूले

यमराज (औरत से) – चलो, मैं तुम्हे लेने आया हूँ।

औरत – बस, दो मिनट दे दो।

यमराज– दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी।

औरत– फेसबुक पर स्टेट डालना है, ''ट्रेवेलिंग टू यमलोक''!

यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश.....!!!!

नाम– कनिष्का, कक्षा– आठवीं

पहेलियॉ

1. हाथ में हरा, मुँह में लाल,
   क्या चीज है बताओं प्यारे लाल।।

2. दिखने में वह काला है और जलने पर लाल,
   फेकने पर है वह सफेद, खोलों बच्चों उसका भेद।।

3. बरसात ने याद दिलाए, पानी, धूप में काम आए।।

4. धूप देख मैं आ जाऊँ, छाव देख शरमा जाऊँ,
   हवा करे स्पर्श मुझे, मैं उसमें समा जाऊँ।।

5. चार खण्डों को नगर बना, चार कुएं बिना पानी,
   चोर अट्ठारह उसमें बैठे, लिए एक रानी आया,
   एक दरोगा सबको पीट–पीटकर कुएं में डाला।।

उत्तर– 1 पान 2 कोयला 3 छाता 4 पसीना 5 कैरम–बोर्ड ।।

नाम–लक्षी, कक्षा– सातवीं

रेगिस्तान में कम क्यों बरसते है बादल

रेगिस्तान में बादल बहुत कम बरसते है, ऐसा क्यों होता है विश्व के अधिकतर रेगिस्तान भूमध्य रेखा से कुछ ही दूरी पर है। रेगिस्तान से उठने वाली गरम हवा तेजी से चलती है। जब यह हवा भूमध्य रेखा के पास से आने वाली ठण्डी हवा से टकराती है तो बादल बनते है। नमी से भरे ये बादल जहाँ बनते है, वही बरस जाते है। मतलब, रेगिस्तान से दूर ही ये सारा पानी बरसा देते है। पानी बरसाने के बाद नमी सहित ये हवा चारों ओर घूमने लगती है। घूमते–घूमते रेगिस्तान तक भी पहुँच जाती है, लेकिन इस हवा मे इतनी नमी नही होती कि वहॉ की गरम हवा से मिलकर बादल बनाए। कभी–कभी हवा में कुछ नमी बच जाती है, तो थोड़ी बहुत वर्षा हो जाती है।

नाम– लक्षी, कक्षा–सातवीं

जल है अनमोल

जीव–जन्तु भी समझते है इसका मोल, मत इसे करो बर्बाद।
नही तो आ सकती है बड़ी विपत्ति कुछ समय बाद।

सारे संसार में सिर्फ, एक चौथाई ही बचा है पानी,
नही रूके और बर्बाद किया पानी, तो याद रखना होगी हानी।।

जमी है हिमालय में बर्फ, जो देते है पीने को पानी,
जो करेगा इसे बर्बाद, उसकी शामत है आनी।।

इसलिए पानी को बचाओ, अपना सुखी जीवन पाओ,
क्यों कर रहे हो ग्लोबल वॉर्मिंग प्रतिक्षण।।

नाम– लक्षी, कक्षा– सातवीं

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन भाई बहन का त्यौहार है। यह त्यौहार हर साल सावन माह की पूर्णिमा को धूम–धाम से मनाया जाता है। रक्षाबंधन को राखी का त्यौहार भी कहा जाता है। इस त्यौहार के अवसर पर सभी बहनें अपने भाईयों को राखी बांधती है और सभी भाई अपनी बहनों को यह वचन देते है कि वे उनकी हर परिस्थितियों में रक्षा करेंगें। यह त्यौहार भाई और बहनों के प्यार को बढ.ाता है। सभी भाई अपनी बहनों को उस दिन मिठाईयॉ तथा कई सारे उपहार भी देते है। रक्षाबंधन वाले दिन घर में खुशी का वातावरण होता है। आज भी यह त्यौहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है।

नाम–एकता , कक्षा–छठीं

माँ

इस दुनिया में सबसे आसान और अनमोल शब्द है माँ । माँ दुनिया का एकमात्र ऐसा शब्द है, जिसे किसी परिभाषा की जरूरत नहीं, क्योंकि यह शब्द नही एहसास है। माँ प्रेम, त्याग और सेवा की मूर्ति है। सचमुच, माँ का नाम सोनल है। मेरी माँ बहुत समझदार, मेहनती और दयालु है। वह हर सुबह सबसे पहले उठती है। वह हमारे परिवार का अच्छी तरह से ख्याल रखती है। वह हमारे बगीचे के पेड. –पौधों का भी ध्यान रखती है। मेरी माँ हमेशा काम में व्यस्त रहती है। मेरी माँ मेरी गुरू, मार्गदर्शक और मेरी सबसे अच्छी दोस्त है।

नाम–एकता , कक्षा–छठीं

हिन्दी दिवस

- **हर साल 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है।**
- इस दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिन्दी भाषा को भारत गणराज्य की अधिकारिक भाषा घोषित किया था।
- यह हर साल हिन्दी के महत्व पर जोर देने और हर पीढ़ी की बीच इसको बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।
- स्कूलों और कॉलेजों में प्रबंधन समिति हिन्दी वाद–विवाह, कविता या कहानी बोलने की प्रतियोगिताएँ आयोजित करती है।
- हिन्दी दिवस हमारे सांस्कृतिक जड़ो को फिर से देखने और अपनी समृद्धता का जश्न मनाने का दिन है।
- इस दिवस पर विभागों, मंत्रालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों का राजभाषा पुरस्कार भी प्रदान किए जाते है।
- हिन्दी हमारी मातृभाषा है और हमें इसका आदर और उसका मूल्य समझना चाहिए।

नाम– परिधि सारस्वत, कक्षा–छठीं

मजेदार.....चुटकूले

स्कूल टाइम में अगर गलती से.....दूसरी क्लास में चले जाते थे!!!

ते ऐसा लगता था जैसे कि किसी.....दूसरे ग्रह पर आ गए हो!!!

और उस कक्षा के सारे बच्चें ऐसे देखते थे जैसे की कोई ऐलियन आ गया हो।।

नाम– आंचल, कक्षा–आठवीं

पहेलियाँ

1. तीन अक्षर का नाम है, आगे से पढ.ो या पीछे से मतलब एक समान है।
2. अंधेरे में बैठी है एक रानी, सिर पर है आग और तन में है पानी।।
3. लाल डिब्बे में है पीले खाने, खानों में है लाल मोती के दाने।।
4. बिना पैर के चलती रहती, हाथों से अपने मुँह को पौंछती, बताओ कौन?
5. ऐसी कौन–सी चीज है, जिसका उपयोग करने से पहले उसे तोड.ा जाता है।
6. वर्ष के कौन से महीने में 28 दिन होते है।
7. मेरी गर्दन है पर सिर नही, बताओं कौन हूँ मैं।
8. काले घोड. पर सफेद सवारी, एक उतरते ही दूसरे की बारी।।

उत्तर– 1 जहाज 2 मोमबती 3 अनार 4 घड.ी 5 अण्डा 6 वर्ष के हर महीने में 28 दिन होते है 7. बोतल 8. तवा, रोटी ।

नाम– प्रियंका प्रजापत, कक्षा– नवमीं

चुटकूले

1 अध्यापक– एक औरत एक घण्टें में 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरत एक घण्टें में कितनी रोटी बनाएगी.....?
छात्र – एक भी नही?
अध्यापक – क्यों?
छात्र – क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेगी। छात्र की बात सुनकर अध्यापक अभी तक बेहोश है.....

2 पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था आलू ले लो, आलू ले लो.....
राहगीर – लेकिन ये तो जलेबी है
पप्पू – चुप हो जा! वरना मक्खियॉ आ जाएंगी।

3 बाप– बेटा, तू शेर का पुत्र है और वो शेर मैं हूँ।
बेटा– पापा स्कूल मे अध्यापक भी यही कह रही थी तू किस जानवर का बेटा है।

नाम– प्रियंका प्रजापत, कक्षा– नवमीं

शिक्षकों को समर्पित

शिक्षकों की गोद में उत्थान पलता था, जहाँ सारा शिक्षक के पीछे चलता है,

शिक्षक का बोया पेड. बनता है, हजारों बीज वही पेड. जनता है,

काल की गति को शिक्षक मोड. सकता है, शिक्षक धरा से अम्बर को जोड. सकता है,

शिक्षक की महिमा महान होती है, शिक्षक बिन अधूरी वसुन्धरा रहती है,

याद रखो चाणक्य ने इतिहास बना डाला था, क्रूर मगध राजा को मिट्टी में मिला डाला था,

बालक चन्द्रगुप्त को चक्रवती सम्राट बनाया था, एक शिक्षक ने अपना लोहा मनवाया था,

सन्दीपनी से गुरू सदियों से होते आये है, कृष्ण जैसे नन्हे–नन्हे बीज बोते आये है,

शिक्षक से ही अर्जुन और युधिष्ठिर जैसे नाम है, शिक्षक की निंदा करने से दुर्योधन बदनाम है,

शिक्षक की दया दृष्टि से बालक राम बन जाते है, शिक्षक की अनदेखी से वो रावण भी कहलाते है,

हम सब ने भी शिक्षक बनने का सुअवसर पाया है, बहुत बडी जिम्मेदारी को हमने गले लगाया है,

आओ हम संकल्प करे की अपना फर्ज निभायेंगें, अपने शिक्षक होने का हर पल अभिमान करेंगें,

इस समाज में हम भी अपना शिक्षा दान करेंगें।।

नाम– खुशी राजपुरोहित, कक्षा– नवमीं

हिन्दी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ऊँ है, मेरी हिन्दी भाषा भी इस ऊँ की देन है,
देवनागरी लिपि है इसकी देवो की कलम से उपजी बांग्ला, गुजराती, भोजपुरी, डोगरी,
पंजाबी और कई हिन्दी ही है इस सब की जननी।
प्रकृति की हर इक चीज अपने में सम्पूर्ण है, मेरी हिन्दी भाषा भी अपने में सम्पूर्ण है,
जो बोलते हैं वही लिखते है, मन के भाव सही उभरते है,
हिन्दी भाषा ही तुम्हे प्रकृति के समीप ले जाएगी,
मन की शुद्धि, तन की शुद्धि, सहायक यह बन जाएगा,
कुछ हवा चली है ऐसी यहॉ, कहते है इस मातृभाषा को बदल डालो,
बदल सको क्या तुम अपनी माता को ?
मातृभाषा का क्यों बदलाव करो, देवो की भाषा का क्यों बदलाव करो,
बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो,
हर इक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो, हिन्दी की जड.ो पर आओ हम गर्व करें,
हिन्दी भाषा पर आओ हम गर्व करें।।

नाम– खुशी राजपुरोहित, कक्षा– नवमीं

मंजिलो को प्यार कर

''मंजिलो का प्यार कर, रास्तों को पार कर,
गर न हो सके सफल, तो बैठ मत तू हार कर,
है जरूर तू टूटा अन्दर से, निकल निराश के समन्द्र से,
मेहनत को गुना चार कर, मंजिलों को प्यार कर,

कदम तूझे ही है बढ.ाने, छोड. कर सारे बहाने,
उठ खड.ा हो वार कर, रास्तो को पार कर, मंजिलों को प्यार कर।।

है गांडीव तू अर्जून का, है महीना तू जून का,
खुद को बस सम्भाल अब, उठा मस्तक भाल अब,
अपने डुरो को मार कर, मंजिलों को प्यार कर, रास्तो को पार कर।।

नाम – कंचन, कक्षा– आठवीं

''शिक्षक''

शिक्षक हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते है,

गिरते है जब हम तो, उठाते हैं शिक्षक,

जीवन की नई राह दिखाते है शिक्षक,

क्योंकि शिक्षक हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते है,

अंधेरों में दीपक बनकर, जीवन को रोशन करते है शिक्षक,

कभी हमारी नन्हीं ऑखों में नमी हो तो, दोस्त बनकर हँसाते है शिक्षक,

स्कूल में मॉ का हाथ छूटता है, तो झटपट हाथ बढ.ाते है शिक्षक,

क्योंकि शिक्षक हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते है,

नाम– कुमुद चौधरी, कक्षा– दूसरी

क्लास मॉनीटर

जो क्लास में बने मॉनीटर, कोरी शान दिखाते है,
आता जाता कुछ नही, पर हम पर रोब जमाते है।
जब क्लास में टीचर नहीं, तो खुद टीचर बन जाते है,
कॉपी पेंसिल लेकर, बस नाम लिखने लग जाते है,
खुद तो हमेशा बाते करें, हमें चुप करवाते है,
अपनी तो बस गलती माफ, हमें बलि चढ.ाते है,
क्लास तो सम्भाल पाते नही, बस चीखते और चिल्लाते है,
भगवान बचाए इन मॉनीटर से, इन्हें हम नहीं चाहते है।।

नाम – कंचन, कक्षा– आठवीं

संस्कृत भाग

विद्यायाः महत्वम्

विद्या सर्वश्रेष्ठं सर्वप्रधानं धनं भवति। संसारस्य अन्यानि सर्वाणि धनानि व्यये कृते

नश्यन्ति परं विद्या धनं व्यये कृते वर्धते। विद्या विना नरः पशुतुल्यं भवति। विद्याया एवं नरः उचितानुचितस्य भेदं कर्तु शक्नोति। विद्याविहीनः नरः सर्वे भौतिक साधनैः सम्पन्नेऽपि

सुखी न भवति। विद्या अज्ञानांन्धकार दूरी करोति। ज्ञानेन मनुष्यस्य प्रतिष्ठा जायते। सा विदेशऽपि तस्य साह्यदयं करोति। केनचित्कविना उक्तम् ''विद्या ददाति विनयम्'' अर्थात् प्राप्य मनुष्यः विनम्र भवति अनेन तस्य सम्मान प्रतिष्ठा च वर्धते एवं विद्यायाः अनेके लाभाः सन्ति। विद्या एवं सर्वविधेन सुखस्य साधनम् अस्ति।

– भूमिका कक्षा– पंचम्

''मातृभूमेनमः''

मातृभूमे नमो मातृभूमे नमः। देवभूमे नमो देवभूमे नमः।।

अग्रतस्ते नमः पृष्ठतस्ते नमः, दूरतस्ते नमः सर्वतस्ते नमः।।

ते ऋषिभ्यो नमस्ते गुरूभ्यो नमः, ते जनेभ्यो नमस्ते बलिभ्यो नमः।।

वेद–भूमे नमो देव भूमे नमः, कर्मभूमे धर्मभूमे नमः।।

ते गिरिभ्यो नमस्ते नदीभ्यो नमः, विन्ध्य–हिमालय–कैलाश–भूमे नमः।।

मातृभूमे नमो मातृभूमे नमः। देवभूमे नमो देवभूमे नमः।।

पारूल, कक्षा–पंचम्

संतोषः परमं धनम्

संसारे सर्वे जन्तवः विशेषतः मानवाः स्वजीवनं सुखयुक्तं कर्त्तुमिच्छन्ति, परं यत्ने कृतेऽपि सुखं न लभते। प्रतिदिनं तेषां कामनाप्रवृतिः वर्धत एवं यदा कामना न पूर्यते तदा ते महद्दुःखानि अनुभवन्ति।

पुरा यदा सुखसाधनाति स्वल्पानि एवं आसन् तदा सोऽधिकः सुखयुक्त आसीत्। अस्य पुरूषस्य एकमात्रणां कारणम् इदम् आसीत् यत् सः यानि किंचत्मात्रा साधनानि प्राप्तवान् तैरेव साधनैर्मनः सन्तोष्येति स्म। सन्तोषेणैव प्रसन्नताम् अनुभवति स्म। सत्यमेवेच्यते–

''सन्तोष अमृततृप्तानां यत् सुखं शान्तचेतसाम्।

कुतः तत्धनलुब्धानाम् इतस्ततश्च धावताम्।।''

अतः ये जनाः सन्तोषं न आश्रयन्ते, ते सर्वदा दुःखिता एवं भवन्ति। यतो धनलिप्साः तान् सर्वदा पीडयन्ति। यदि पुरूषः सन्तोषस्य आश्रयं स्वीकुर्यात् तदा सः दुःखानां कष्टाना च पात्रो न भवेत्। विदुषां वचनं इदम् सत्यम्–

''सन्तोषः परमं सुखम्।''

अतः मनुष्येण स्वजीवने सदैव तादृशः उद्योग कर्त्तव्यों यत् सः स्वभावेनैव सन्तोषी भवेत्। मनुष्यः पश्यति यत् संसारे दृश्समानं प्रत्येकं वस्तु क्षणभंगुरम् अस्ति तथापि क्षणभंगुरवस्तुने स्पृहयति एवं।

नाम–लक्ष्य कक्षा–सप्तम्

''संस्कृतम् अतीव प्राचीना भाषा वर्तते''

इयं च हिन्दीभाषायाः प्रमातामही। हिन्दीभाषायाः जननी अपभ्रंशभाषा अस्ति। अपभ्रशः भाषायाः धात्री प्राकृतभाषा विद्यते। प्राकृतभाषायाः संस्कृतं माता अस्ति एवं परम्परया संस्कृतेन हिन्दीभाषया सह निकटतमसम्बन्धः अस्ति। संस्कृतम् इति शब्दस्यार्थः परिष्कृतम्, 'शुद्धम्', सम्यक्प्रकारेण कृतं सिध्यति। देववाणी गीर्वाणवाणी च संस्कृतभाषायाः अपरे द्वे नामानि स्तः।

अद्यत्वे संस्कृतभाषायां यत् किमपि साहित्यं वर्तते तत् अतीव चारू परिपूर्णं चास्ति। अस्माकं देशस्य पुरातनाः ऋषयः मुनयः च पुरा अस्याम् एवं भाषायाः निजग्रन्थान् अलिखन्। वेदाः उपनिषदः स्मृतयः, रामायणम्, महाभारत्, भासस्य, कालिदासस्य नाटकानि बाणस्य गद्यकृतयः, भवभूतेः उतररामचरितम्, एवं पंचतन्त्रां हितोपदेशः आदीनि पुस्तकानि संस्कृतभाषायामेव लभ्यन्ते।

संस्कृतस्य पठनम् अनायासेन लब्धु शक्यते। अस्माकं देशो अपि पंचवर्षीययोजनासु संस्कृतस्य कृते व्यवस्थाः सन्ति।

संस्कृतस्य प्रचारेणैव साहित्यस्य वृद्धिः स्यात्। अस्य प्रचारं प्रसारं विना भारतस्य वास्तविकं संस्कृतिज्ञानम् नैव भवति। अस्य कृते, व्यक्तिशः प्रयासोपेक्षितः।

साइना शांडिल्य, कक्षा– षष्ठी।

''शिक्षकस्य महत्त्वम्''

यदि अहम् शिक्षकः भवामि तर्हि अहं विद्यार्थिणां संस्कृतशिक्षणं विशेषरूपेण करोमि। अद्य भारतीयशिक्षणपद्धत्याः लोपः भवति। सर्वे विद्यार्थिनः आङ्गलभाषाया ज्ञानविषये ध्यानं ददति। अस्मांक जम्मूकश्मीरे सर्वकारः संस्कृतशिक्षणविषये विशेषरूपेण ध्यानं ददाति। अहं शिक्षकः भवेयम् अहम् स्वविषये परिश्रमपूर्वकं विद्यार्थिनाम् अध्यापन करोमि। सर्वे विद्याार्थिनः अनुशासनपूर्वकं कक्षायां पठन्ति, कोऽपि विद्यार्थी उदण्डः न भवति, तस्य विषये अहं विशेषरूपेण ध्यानं ददामि। मम सर्वप्रथमं कर्त्तव्यं योग्यछात्राणां निमार्णकरणम् अस्ति। अस्माकं देशे कोऽपि विद्यार्थी शिक्षायाः हीनः न भवति। सर्वे भारतीयाः जनाः शिक्षिताः भवेयुः। एकोऽपि जनः निरक्षरो न स्यात्, तदैव अस्माकं देशः पूर्ववत् प्रतिष्ठितो भविष्यति एते मम उपदेशाः सन्ति।

नाम– एकता, कक्षा–पंचम्

''भारतीय संस्कृति''

चेतसः संस्करणं संस्कृतिरिति कथ्यते।

अस्माकं राष्ट्रस्य एवं प्राचीन संस्कृतिः अस्ति। सा निःशंसयं राष्ट्रस्य उपकरोति। सा संस्कृतिः उपादेया भवति या विश्व बंधुत्व स्थापने लोक रीतिरक्षणे सहायिका भवति। भारतीय संस्कृतिः संस्काराश्रिता अस्ति।

इयं धर्मप्रधाना, अध्यात्मिकप्रभावमयि कर्मनिष्ठापरा, ज्ञान–विज्ञानाश्रिता संस्कृताश्रिता पारलौकिक भावसंयुक्ता लोकः संस्कृतिः अस्ति।

वर्णाश्रम व्यवस्था, मोक्षवादः, पुर्नजन्मवादः, कर्मवादः, परोपकारः धर्माधृतम्– सदाचारपालनम्, सत्यपरिपालनम्, अहिंसा परिपालनम्, पुरूषार्थ चतुष्ट्यम्, श्रुतीनां प्रामाण्यम्। यज्ञस्य महत्वम्, यज्ञ–भूत बलिपरिपालनम् च भारतीयसंस्कृते आधार भूताः गुणाः सन्ति। अतिथि देवो भव, मातृदेव भव, पितृदेवो भव, आचार्य देवो भव, भारतीय संस्कृतेः शिक्षाः सन्ति। भारतीया संस्कृति परम्पराद् आगतास्ति। सर्वधर्मसमभावः ईश्वर विश्वासः अस्माकं संस्कृते तत्वानि सन्ति। अस्याः अन्यतम् विशेषतासु विश्वबन्धुत्वस्यभावना एका अस्ति। यथा–'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्'। इति कथ्यम् अस्माकं संस्कृतेः महत्वम् उद्भावयति।

नाम– लक्षिता, कक्षा–नवम्

विद्यालय गतिविधियों की झलक

JUNIOR ARTIST OF THE VIDYALAYA

AINA CLASS-IX & YOGESH CLASS-XI

AKAM COMPREHENSIVE ENVIORNMENT AWARENESS

AKAM ICONIC WEEK 4 TO 10 OCT 2021

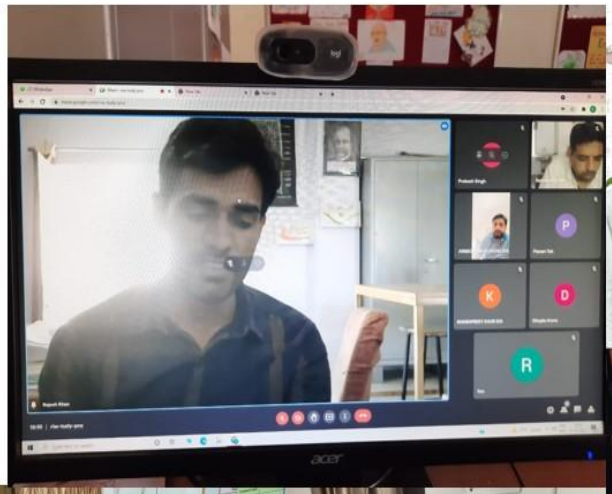

AKAM ICONIC WEEK 17 TO 21 JAN 2022

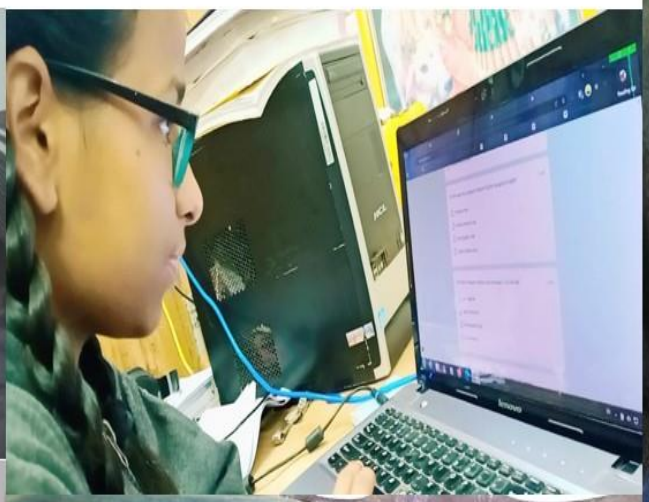

GANGA UTSAV

MANODARPAN MENTAL HEALTH WEEK 4 TO 10 OCT 2021

MATRIBHASHA DIWAS

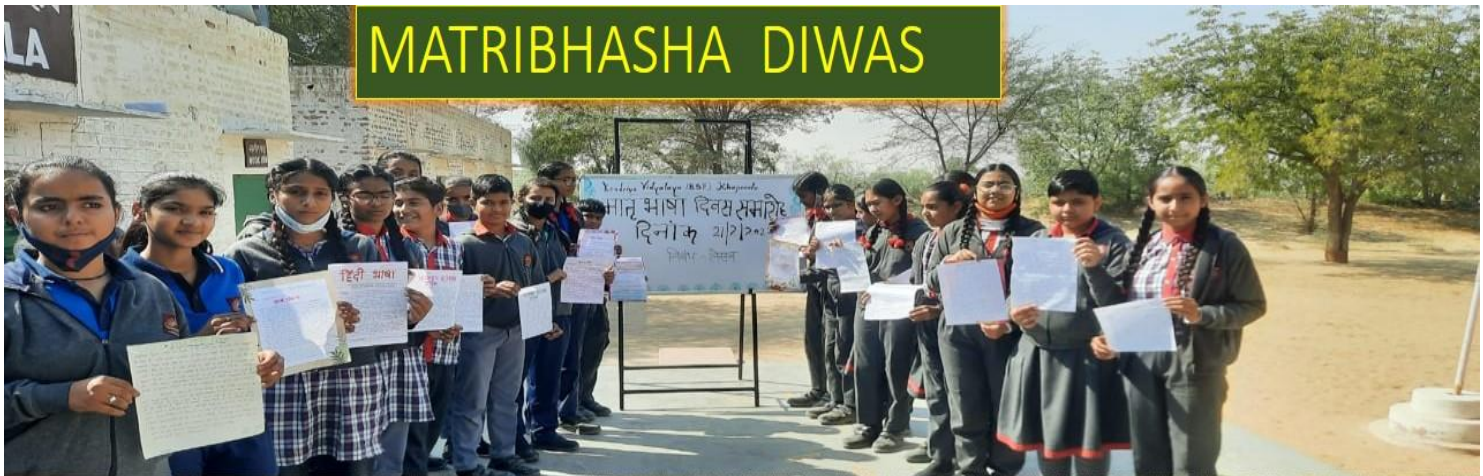

NATIONAL EDUCATION DAY

NATIONAL UNITY DAY

NATIONAL YOUTH DAY

POST CARD CAMPAIGN

ROAD SAFETY SERIES

VIGILANCE WEEK

LIBRARY ACTIVITIES

WATER CONSERVATION DAY

TREE PLANTATION

COMMUNITY LUNCH

Fit India Movement

ANNUAL INSPECTION

INTER HOUSE
TOURNAMENT

THINKING DAY

SWACHHATA PAKHWADA

SMALL HAND ON CANVAS

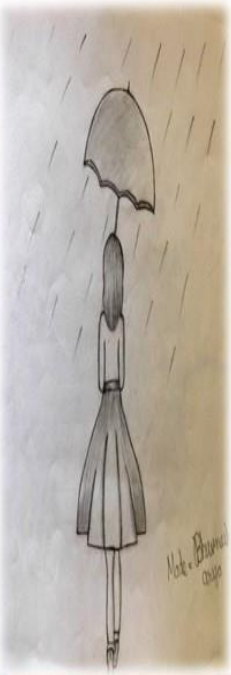

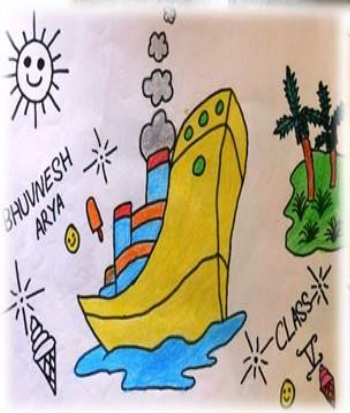

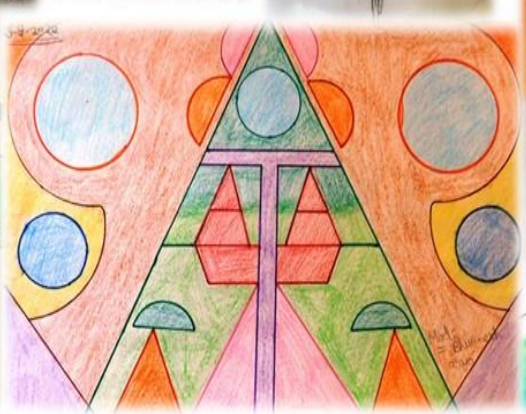

EDITORIAL BOARD

CHIEF PATRON
MR.B.L.MORODIA
DEPUTY COMMISSIONER

PATRON
MR.MUKESH KUMAR
ASSISTANT COMMISSIONER

VICE PATRON
MR.M.R.GUJER
PRINCIPAL

EDITOR IN CHIEF
MR.ROMIL SHARMA
PGT-ENGLISH

EDITOR HINDI
MR.MUKESH KAYAL
PGT-HINDI

EDITOR SANSKRIT
SMT.RINKI YADAV
TGT-SANSKRIT

DESIGN
MR.ANAND KUMAR RAJORIA
COMPUTER INSTRUCTOR

THANKING YOU FOR WATCHING